,M~l dh jksdFkke

1. HIV संक्रमित व्यक्ति द्वारा उपयोग की गई सुई का प्रयोग न करे।
2. HIV संक्रमित व्यक्ति से रक्त नहीं लेना चाहिए।
3. एड्स रोगी द्वारा काम में लाए गए बर्तन, साबुन, वस्त्र, चाकू आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए।
4. वेश्यालयों एवं अवैध यौन संबंधी के केन्द्रों पर रोक लगाना चाहिए।
5. इंजेक्शन से मादक द्रव्यों का सेवन नहीं करना चाहिए।

88.2%	→	हिटरोसेक्सुअल Heterosexual
1.5%	→	Homosexual
1.7%	→	सुइयॉ
1.0%	→	रक्त
2.7%	→	शेष से AIDS संचरण की पुष्टि की गई है।

midYiuk

1. एड्स एक संक्रात्मक बीमारी है।
2. एड्स का निदान अभी तक संभव नहीं हुआ है।
3. एड्स को जागरूक होकर ही खत्म किया जा सकता है।
4. महिलाओं की अपेक्षा पुरूष ।प्कै रोगी ज्यादा पाये गए है।
5. एड्स गर्भवती महिलाओं से गर्भस्थ शिशु में पहुॅच रहा है।
6. एड्स से बचाव ही उपचार है, इसका पूरी तरह से निदान अभी संभव नहीं है।

rF;ksa dk bdBBk djus dk L=ksr

प्राथमिक स्त्रोत → साक्षात्कार के माध्यम तथ्यों का संकलन किया है।
द्वैतीयक स्त्रोत → प्रकाशित प्रलेख और पत्रिकाओं के माध्यम से तथ्यों का संकलन किया है।

ifj.kke

यह शोध रीवा शहर में किया गया है जिससे निम्नलिखित ऑकड़े पाये गये है–

कुल रोगी	→	276
पुरूष	→	149
महिलाऍ	→	117
बच्चे	→	10

यह ऑकड़े 2014–15 में पाए गए हैं। सूचनादाताओं के अनुसार यह रोग अधिकाशंतः पुरूषों में यौन–संबंधों के कारण पाया गया है। बच्चों में यह रोग मॉ के रोगी होने के कारण पाया गया है। अधिकतम रोगी 15–45 वर्ष की उम्र के पाये गए है।

fu"d"k

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि एड्स एक संक्रात्मक बीमारी है। भारत में लगभग 20 लाख वेश्याऍ है जो कि भ्प्ट संक्रमित हैं और वे अपने ग्राहकों में इस रोग को फैला रही है ।

एड्स को रोकने के लिए कोई भी टीका, इंजेक्शन और दवा की खोज नहीं हुई है। एड्स से बचाव ही उपचार है। एड्स से बचाव बहुत आसान है यदि व्यक्ति स्वयं पर संयम रख सके। हमें मिथ्याओं से परे हटकर वास्तविकता का अध्ययन करना चाहिए एवं एड्स के बारे में फैल रही गलत धारणाओं को खत्म करना चाहिए।

lanHkZ xzUFk lwph

किताबे →Prof. M.L. Gupta → Sociology
Prof. D.D. Sharma → Sociology
पत्रिका →Pratigogita Darpan → (November 2013)